रजि॰ सं॰ डी॰ एल॰-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 693] नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 5, 2005/आषाढ़ 14, 1927
No. 693] NEW DELHI, TUESDAY, JULY 5, 2005/ASADHA 14, 1927

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 2005

का.आ. 950(अ).—राष्ट्रपति, विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 (1987 का 39) की धारा 3 की उपधारा (2) के खण्ड (ख) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति वाई. के. सभरवाल को तत्काल प्रभाव से राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष के पद पर मनोनीत करते हैं।

[फा. सं. ए-60011/16/2002-प्रशा.-III(वि.का.)]

डॉ. डी. पी. शर्मा, अपर सचिव

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th July, 2005

S.O. 950(E).—In exercise of the powers conferred under clause (b) of the Sub-section (2) of Section 3 of the Legal Services Authorities Act, 1987 (39 of 1987), the President is pleased to nominate Mr. Justice Y. K. Sabharwal, Judge of the Supreme Court of India as Executive Chairman of the National Legal Services Authority with immediate effect.

[F. No. A-60011/16/2002-Admn.-III (LA)]

Dr. D. P. SHARMA, Addl. Secy.

2012 GI/2005

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.